क्या आपको सही राशन मिलता है?

राशन! राशन! राशन!
गेहूं-चावल-चीनी-तेल
होता गायब देखो खेल

क्या आप राशन से दुखी नहीं हैं?

क्या आपको राशन समय पर मिलता है?

क्या राशन का तौल सही होता है?

क्या दूकानदार पर्ची पर सही तौल का सही रेट लिखता है? पर्ची देता भी है या नहीं?

क्या आपको राशन से मिलने वाले सामान का असली तय दाम और मात्रा मालूम है? क्या दूकानदार उसी रेट पर राशन देता है? बचा हुआ पैसा लौटाता है या नहीं?

दिल्ली में मिलने वाले राशन की जानकारी प्रति माह के हिसाब से—

	गेहूं खाने वाले	चावल खाने वाले
गेहूं	10 किलो	9 किलो
चावल	2.5 किलो	16 किलो
चीनी	800 ग्राम	800 ग्राम

मिट्टी का तेल 5 यूनिट (व्यक्तियों) के लिए हर 15 दिन पर 6 लिटर।

राशन के दाम

	वर्ष 1991 में	वर्ष 1992 में
गेहूं	2.48 रु./किलो	2.96 रु./किलो
चावल	3.93 रु./किलो	4.86 रु./किलो
चीनी	6.10 रु./किलो	6.90 रु./किलो

कुछ जगह राशन महीने में एक बार मिलता है।

कुछ जगह हर 15 दिन में। अगर आपका राशन-कार्ड नहीं है तो जानिए राशनकार्ड हर नागरिक का हक़ है।

सबला संघ जन सुविधा कमेटी नंद नगरी (सुंदर नगरी) दिल्ली ने यह आंकड़े इकट्ठा किए।

इसी ढांचे पर यदि आप अपने गांव/इलाके की जानकारी हमें भेजें तो हम उसे राष्ट्रीय महिला आयोग तक पहुंचाएंगे। इसके अलावा राशन

संबंधी जो भी शिकायतें हों उन्हें भी लिख भेजें।

यह राशन प्रणाली इसलिए शुरू की गई थी कि सबको, खासकर गरीब जनता को उचित दामों पर अनाज मिल सके। इस बढ़ती मंहगाई में हमारा एक यही सहारा है। हमें डर है कि नई आर्थिक नीति के तहत् हमारा यह सहारा भी न छिन जाए। राशन की समस्या सभी की समस्या है। राष्ट्रीय महिला आयोग जो मुद्दे उठाना चाहता है उसमें राशन वितरण प्रणाली में सुधार का मुद्दा भी है। यदि हम इस बारे में सजग हों तभी यह संभव हो पाएगा।

आइए, इसे एक जन-अभियान बनाएं। हमारी मांगें हैं—

दूकानें समय पर खुलनी चाहिए।

हर दूकान के सामने तख्ती पर लिखा हो कि कितना राशन आया है। हर वस्तु की कीमत प्रति किलो भी लिखी हो।

राशन का तौल सही हो।

दूकान पर नमूने का चार्ट हो।

दुकानदार राशन की रसीद ज़रूर दे।

जनता की यह पुकार—

सही राशन पाना हमारा अधिकार
गड़बड़-घोटाले का हो पर्दाफ़ाश

सबला संघ, नई दिल्ली